आधुनिक काव्य सदंर्भ और प्रकृति

डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त

आधुनिक काव्य : संदर्भ और प्रकृति

डा० गंगाप्रसाद गुप्त
हिन्दी विभाग
शासकीय स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय,
रायपुर

रचना प्रकाशन
४५ ए, खुल्दाबाद, इलाहाबाद–१

प्रथम संस्करण : १९७१

●

प्रकाशक
जीत मल्होत्रा
रचना प्रकाशन
४५ ए, खुल्दाबाद,
इलाहाबाद-१

●

मुद्रक
इलाहाबाद प्रेस,
३७०, रानी मंडी
इलाहाबाद-३

मूल्य :
~~आठ~~ ६) रुपए मात्र

अनुक्रम

१.	बदलते सामाजिक परिवेश और साहित्य धर्म	१
२.	साहित्यकार की प्रतिबद्धता	१०
३.	समीक्षा का संकट	१७
४.	भाषा की तलाश नहीं : विकास हो	२३
५.	मूल्यों का बिखराव और पीढ़ी का दायित्व	२७
६.	अधुनातन संदर्भ : सार्थक घोषणायें—निरर्थक विवशतायें	३३
७.	युवा आक्रोश : संदर्भ और तत्त्व	४४
८.	नई-पुरानी का संघर्ष : दृष्टिकोण का अन्तर	५६
९.	ईमानदारी की तलाश	६७
१०.	साहित्यिक गैरईमानदारी और नये कवियों का आक्रोश	७४
११.	साठोत्तरी आस्थावान कवियों के ताजे स्वर	८१
१२.	छायावादोत्तर काव्य की पलायनवादी अकविता यात्रा	८९
१३.	साठोत्तरी पीढ़ी : 'अकविता' की गूँज	९७
१४.	ओढ़ी हुई स्थितियों का शब्दजाल : अकविता	११६
१५,	अकविता की मृत्यु : कारण और परीक्षण	१२६
१६.	गीतों की बदलती दिशा : कुछ तथ्य	१३१
१७.	नवगीत : खत के आइने में	१४४
१८.	भविष्य की कविता	१५१